चुड़ैला में ग्रामीण पत्रकारिता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रारम्भः

ग्रामीण पत्रकारों की समस्याओं पर गहन चिन्तन की आवश्यकता - शेखावत

झुंझुनू, 5 जूनः विधानसभाध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को सुबह यहां से 20 कि.मी. दूर चुड़ैला स्थित जगदीश प्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला विश्वविद्यालय में ग्रामीण पत्रकारिता विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। यह आयोजन विश्वविद्यालय तथा इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्टस-नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है।

विधानसभाध्यक्ष ने अपने सम्बोधन में ग्रामीण पत्रकारिता के सुदृढ़ीकरण को रेखांकित करते हुए कहा कि आज गांवों के पत्रकार जिन समस्याओं से जूझ रहे हैं उन पर गहन चिन्तन की आवश्यकता है ताकि उनके कौशल विकास की दिशा में सार्थक प्रयास किये जा सके। उन्होंने कहा कि सूचना क्रान्ति ने आज पत्रकारिता का विस्तार गांवों तक कर दिया है, ऐसी स्थिति में इस विस्तार के साथ-साथ ग्रामीण पत्रकारों के समुचित प्रशिक्षण की तरफ भी ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बड़े समाचार पत्र स्थानीय समाचारों की दृष्टि से क्षेत्रीय संस्करणों के रूप में संकुचित होते जा रहे हैं जिसके कारण साप्ताहिक व पाक्षिक पत्रों का महत्व और अधिक बढ़ गया है। इन लघु समाचार पत्रों के पत्रकारीय स्वरूप को परिमार्जित करने की आवश्यकता है। विधानसभाध्यक्ष ने बताया कि राजस्थान विधानसभा में इस बार 108 नये विधायक है जिनके आमुखीकरण के लिए शीघ्र ही कार्यशाला आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि विधानसभा की कार्यवाही का कवेरज करने वाले पत्रकारों के लिए भी कार्यशाला आयोजित करने का विचार है जिसमें इस बात पर बल दिया जाएगा कि विधानसभा में केवल हंगामा होने के समाचार ही नहीं होते हैं बल्कि अन्य ऐसे रचानात्मक एवं विधायी कार्यों को भी निपटाया जाता है जो प्रमुख समाचार के रूप में आम पाठकों तक पहुंचने चाहिए। उन्होंने शेखावाटी के प्रवासी लोगों द्वारा कायम भामाशाह एवं समाज सेवा परम्परा का भी उल्लेख किया तथा इस क्रम में चुड़ैला के इस विश्वविद्यालय के उत्तरोतर विकास की कामना की।

इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्टस के राष्ट्रीय महासचिव परमानन्द पाण्डे ने कहा कि ग्रामीण पत्रकारिता का वर्तमान फैलाव सूचना क्रान्ति की देन है। सरकार और समाज को ग्रामीण एवं भाषाई पत्रकारिता के विकास की दिशा में ठोस प्रयास करने चाहिए। राजस्थान श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष ईश मधु तलवार ने गांवों में काम करने वाले

अच्छे और योग्य पत्रकारों के कौशल विकास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रेषित संदेश भी पढ़कर सुनाया।

विश्वविद्यालय के मनोनीत कुलाधिपति विनोद कुमार टीबडेवाल ने ग्रामीण पत्रकारों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण की जरूरत बतलाई तथा इस दो दिवसीय आयोजन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी फिल्म पत्रिका माधुरी के पूर्व सम्पादक एवं वरिष्ठ पत्रकार (मुम्बई) विनोद तिवारी ने किया। इस अवसर पर इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्टस के अध्यक्ष विक्रम राव, राजस्थानी सेवा संघ-मुम्बई के अशोक हरलालका, मनमोहन बागड़ी व बाबूलाल ढण्ढ़ारिया,राधेश्यामजी जसरापरीया, हनुमान बगडीया, रामौतार अग्रवाल, सुशील राजगढीया, एडवोकेट भगवान सिंह शेखावत, ताराचन्द अग्रवाल, श्याम सुन्दर टीबड़ा, देवकी नन्दन तुलस्यान, मोहम्मद आलमगीर आदि अनेक लोग उपस्थित थे। आयोजकों के अनुसार इस संगोष्ठी में उत्तरप्रदेश, आन्ध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, केरल व उत्तराखण्ड सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों से आये 170 पत्रकारों का प्रथम दिन पंजीयन हुआ।